

DPN 6196

Title : चचाये # CACA ME

Run. No. 6887

Cat. No.

Micro. No.

Subject चचाये / Cacha Song

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 19.5 x 8

Folios 36

Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Fifty one songs extant

Author / translator

Scribe / donor

स.पे. दु. यचा # 57

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaṣaphu /

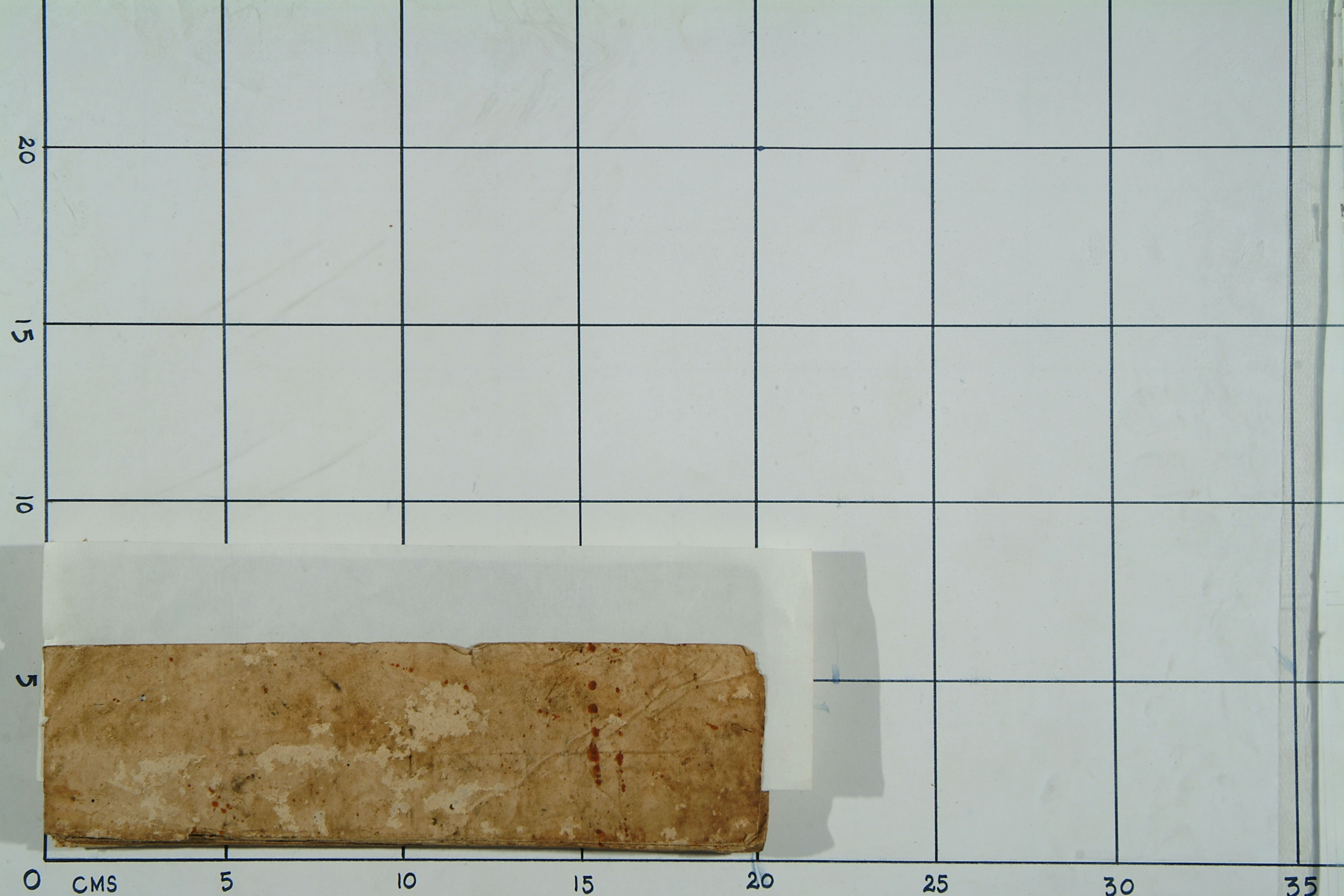
Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

P. T. O.

११
अमोघ वज्र, सुरा^{११} वज्र, वाक वज्र, वज्राचार्य कण्ठदत्त आचार्य (राजाधीन श्रीनरेन्द्रमल्लदेव्या
हासु बालमाला) पिसे चिनातः॥ चर्मा मे न इ।
मेयु ४०

Carya songs composed by Amogh vajra, Surat vajra, vakra vajra,
vandhu datta vajravarya of the king Narendramalla's time



॥ श्री **उमरूह** ॐ या नृपकर्म आलिं हिं व
 वक्ष्यः ॐ या २ वक्षवा नाहिं अलिम ॥ संभवते
 ॐ या ॥ ॐ प्रिसती मं विव नव ॥ अहिं इ हि न
 हिता हि अमृता ममा ने २ अनुह न सर्व देव व ॐ
 का उभय देवी मी नित्य रु य न सं हो वे ॥ प्रि सु व

॥ नृप १ क वा य न रु वा द प्रि सु व न उ क १ क वि
 न वी वा २ प्रि सिं रु व न स व ना ट व न प्र म्भ दि ल
 रु लि ग्ध व १ का क प्पा ॥ अहिनी सं म्भ नृ
 नृ वी व रा शु वा म्भ व १ दि रु व रा व अ ज रा वा र १
 व म म व रा र थ व ध न रु दि ग्ध व रु म्भ मा दि अ नि
 = य सं हा व ॥ ॐ ॥ **नाग नाट** ॥ न क व र्ग प्रि सि

सायनसद्वी २० सूर्यदे अत्र उपहन की वध
 ॥ ॐ ॥ दुष्टद्वी वा नृसि प्रहृमा मकि द्वी २०
 गन प्रमादि नमय स्वाय ॥ ॐ ॥ जाममवेद पु
 वातव वा धिः आग धर्मदिहा पु नृप २०
 प २० वद्वस्व नृपक मनु ॥ २ सया ल युगि
 सि मा २० नृवतु ॥ ॐ ॥ सत पु नृव नृसि ही सि

जगत धनि ॥ तनयिवा क वर स वा स नृपि
 ॥ ॐ ॥ ओ आ हं फर अनंत न स्वा हा म न
 उचा वन न २ पुजा पुज्य क पुजो भो ॥ त त्व स्वरूप वली भाव
 ॥ ॐ ॥ एव त्व हा हि २ वली पुजन ध्य द्या द्य २ वि द्य ह न र्पि वा
 मिद्या न स पंच सा शिने पंच शानि सब नीणा ॥ सर्व यक्ष मा ध स भु त प्र
 त न पि सा ॥ ॐ ॥ आ र प सा ॥ २ ॥ क द की नी दुई अष्ट ह म सो न र्
 द वली गृ ह नृ न ॥ ॥ द न पं ती सर्व कार्य त त्व या ॥ सर्व सुख संप

ओं आ हं फर
 अनंत न स्वा
 हा म न

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35

तिसतनै २ यठै वतथेव भुजठै विवठै जीवर्थ सातुक मठन ॥ स
सपानक्षय तु छानपतीनै सबसिद्धि संपद शा-तन २ आसं ज्ञान तथाग
तवचनै सब शिद्धि सपद वृद्धि नै ॥

20
15
10

गीतिका ॥ ५ ॥

गुह्यसाहयकबुद्धिसत्त्वमहं ॥ ४ ॥ ॥ श्वागच्छं गावमावति
॥ गीवकवविहाहिमंशुलमास्य धीमिआनंदमृतिधवाश्वजवादि
आलिंगनसम्भव नानावस्मिमहाकाला ॥ ५ ॥ गतनाहं हं तनाहं हं शत
नाततहं हं हं ॥ १ ॥ नीलवर्णवकुलयतिमुखगिनय यवमानः
दमृतिधवाश्विष्यवज्ज्वलवंदजठामकुटधवा हाउआतवनमरुहा

दुविह्वनवृष्णाः० नमस्तुभ्यं गमने रथा दसयागिनी समप्रसप्त
 म्हात्रे ॥ ज ॥ ५६३ ॥ एनागपचरमा ॥ ॥ ऊयं दादलिह्व
 अधवनती रसयनस्त्वा स्तनजगत् उच्चावली ॥ क्र ॥ मनोरंगव
 गिया इकमलमहिमधुलमेखननूनमूर्नकाना र हाउम्बमल
 गुणएननविरामितमधनद्यष्ट डला ला विनीविनी विनयनि

दीनिनयना॥ १ ॥ कनखिषन्यनगीवमोदतनसिनता
लाशकुंखिवयखव्वांगवनमकृतकसा॥ २ ॥ भीनससिन्धु
नस्कंडालसुलाशकुमुनिकर्यूनगाम्वनसखसानी॥ ३ ॥
रुनयिसनतवकुवांछलिदासा॥ ४ ॥ गीवकुदवीयसादभीद
नुआयाया॥ ४ ॥ ॥ रनागतादि॥ ॥ यवक

वशिष्ठमवदना २३ ॥ कलिनायिरालकसाऽलमकरुसा
 कनूनामय ॥ ३ ॥ कलिकयालाऽधनिनखेकांसाऽनाराल
 यनागकृल्लहाना २नागसिनसिद्धा नोयुननागाऽपुष्टना
 मभारुननससाहिता ॥ ३ ॥ किनवपुमोयीधनिनसना
 वृद्धसासनमानककवीना २यनानूठातादवरावाऽसासाग

२सर्वाङ्गना २३

कलिमाभूनूहनसनना ॥ ४ ॥ ॥ २नागधनाथी ॥ ॥
 सवोकात्तामहासखकनिया चन्द्रसूर्य इयिमत्रियोऽचडआन
 न्ददरुधारी २गिरवनरुल्लयिया महासखलाया चन्द्रसूर्य इ
 यिमत्रिया ॥ ५ ॥ नयाययनिता नयुननीना गिरवननक
 खनूयि २सर्वविकल्पविधमनीदवी भूनूहनस्तवनदा

20

15

10

5

0 CMS 5 10 15 20 25 30 35

यनी ॥ ॥ अमिगारुसधुलयन्धियालथितिकल्यानन
 मिवददधानीरकलिकयालःखडांगधानीःयसुहानव
 यदहा ॥ ॥ दिगम्बनमकृतकभास्वकीकथुलकणि
 धानीरनाचकभखलःयायलधानीःशीवयोदननसिलमा
 ला ॥ ॥ सर्वतथागतजननिदवीःविनाहितलावाला

वज्रलावाश्रीवदुडागीनीवननसिलीगतगाअनिस्म
 नसर्वका ॥ ॥ ॐ ॥ राराविरास ॥ यनमजमाननचला
 वनरावकशनचविग्रहनयादयादक ॥ मांसनसानितमृगनवि
 रुचनचघुनमाहनसाचयविग ॥ ५ ॥ वाराखधनमाहनःॐशा
 रनचयसून्यसमानदया ॥ राशनरावकमिगनसगुनिष्ठनगस

यनमनशाप ३१

हृदयविमोहि ॥ ॥ अथ सुयनीतुवन्धनिलाका २ तनतुतनतु
 वन्धनमर्थ ॥ लाकाभाहतिनिवर्तिनः तत्त्वविवर्जितसिद्धिनलय्या ॥
 ॥ तस्मात्तुगन्धनसदनय्या २ नमः स्वयनवर्जितविमोहि ॥ यनस
 नधर्मनसयनविमोहि सुखसुखावनकलाकनन ॥ ॥ ६०३ ॥
 रनागमालिनि ॥ ॥ मुनानिर्जनः यनमयः सुन्यसामायसह

उला २ रावयिरुवियसंदावदाः नानासिर्जयिहृदयाम् ॥ ॥ ॥
 नउरुवनउनिर्वानादिः नृणां सावसासदासुखकायि २ जोराव
 मनदिराडातः ॥ स्वयनमसंदावकर्तुः ॥ ॥ अथ नृणां मनुविव
 र्जिताः नानाविन्दुनचिरु २ नृणां सावसासदासुखकायि २ जोराव
 रु ॥ ॥ डिमयनविन्दुसंदावकाः तिमिरावयिः मनरावयि २ मुन्य

॥ मुनानिर्जन ३६

५० मादा सिन ३२

निनकृतयनमप्युः नासायिनया यड॥ ॥ डि मऊर्म साभवन्तु स
हिः नस्वच्छनामिच्छति निस्तान्मुलचक्रजाः तनयसंदावस्वच्छ॥
॥ ॐ ॥ रागमात्मसि॥ ॥ वासादहितं जइयिद्यननीरमा
भवितासयिमहास्वच्छनयिया॥ ५ ॥ शुं ऊयिधः कालयियास
रूजण्णात्ये रसयनविनासयि जयनिगाव॥ ॥ गयनमयनः

८ नमो भिन्न जिनाय नमो भामि

विरुविनासयिया श्कायवाकविरुजकूलिया ॥ ॥ न के धव
 शिभूहूनलयिया श्मूवयिलयानगान्धाधनी ॥ ॥ यावशि
 नवनगुनूयाययसादश्शनयिवाकवज्जुन्यसमाधि ॥ ॥
 रनागनादभनमामिशकिनधम्मकागुस्वयरुश्चिगुवनम
 नूहवधम्मकागुवागिस्वनी ॥ ५ ॥ नमामिशकिनयवश्चि

नमो नमो विद्याधरी
दिनमनिमयलक्ष्मी

नमो नमो सुन्दरुमिन्द्रागिस्तनकनधना ॥ ॥ स्वर्गमय
यातालखनधीकायातकश्चन्दनिर्जनमहासुख
ना ॥ ॥ धर्मधीमिन्द्रानधीमिन्द्रश्चालमधुलमा
मसुनासुनधि ॥ ॥ वामरुद्रयुष्कधनधनाश्चदिन
लखनधना ॥ ॥ श्रीलोकस्वयमधुलमहासुखला

याश्चाजाधिराजधीननन्दमलदव ॥ ॥ श्रीवजाया
यवन्धरुमावायश्चनयिवाकवृक्षसुनासुनधि ॥ ॥
रनागरनावलि ॥ दिनमनिमधुलवंजाणाश्चकवर्धुनि
नगदिगंवला ॥ ॥ ॥ नमामिधीविद्याधरीश्चमनगम्
द्विमिद्विलयदाता ॥ १ ॥ ददिनविन्दुनवर्जसुर्वि

नाशविचित्रयुग्ममालारुलत्वादीना ॥ २ ॥ मककंभ
 नदिगाकान्तिरगुम्भद्वीः ऊगतेऊननीः श्रीवृद्धाकिनी ॥
 ३ ॥ यागिनीमहिनासीनधिगाशगाधान्तिगुनतवकुस
 गलगीता ॥ ४ ॥ ॐ ॥ नागनाट ॥ उदयागिनीगुग
 नीसंकासाशकलिसकनाटकध्वानिरद्वी ॥ ५ ॥ गुम्भद

२३ दयागिनि ४२

वीमादित्यविशाधनीद्वी ॥ १ ॥ त्वंद्वीरुगुखधुमुकय
 ककुम्भरगुम्भद्वीविनासिनीवृद्धाकिनीद्वी ॥ २ ॥
 मनुयागुनविनभीगिरुवनद्वीरगुम्भद्वीविनासिगवृद्ध
 किनीद्वी ॥ ३ ॥ ओं कानवकुलकनरुलियाशगुम्भद्वी
 नविनभीधीविशाधनीद्वी ॥ ४ ॥ ॐ ॥ २४ कानसंजा
 ॥ नागमन्त्राल ॥

२४ कानसंजा ४३

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35

नमामि शिवाय ५४

नललितासतस्क २ कनकवर्णकवकद्विगुणा ॥ धर ॥ नमा
 मिऊननीदवी श्रीवसंधावा २ नलमकूटभारुनगरुषिता ॥
 १ ॥ वामसर्वर्द्धदधनमकालिया २ यस्यानमितायूषक
 निता ॥ २ ॥ नानावाधिनियुदानिदहननाशदिनस्थकन
 लादिदहिममाता ॥ ३ ॥ आरुनागरुनवि ॥ नमामि २ जिनका

तुकनधुक्वगुनमूर्तिगालिगिता २ यक्कसनयकधगुस्व
 नृयाः वृद्धधर्मगालयस्वना ॥ धर ॥ गताईई २ रुगतमनउडा
 वियासनाहननभास्तु २ यक्कसिनस्वना ॥ १ ॥ नमामि २ श्रीग
 न्तिपूनस्वनः अद्विसिद्धिवलयदायनि २ इतिरहनससर्वया
 यक्यकनः दानयूथवद्रुमाक्यदाता ॥ २ ॥ नमामि २ धर्म

नमामिष्टावरुणानिनी ४५

अगुवागिस्वनषादमइधमनयमिमलितारषादमनानधनूल
 मूर्तकावाःसर्वदवयमिमलितार ॥ ३ ॥ नमामिश्वारीभवनम
 लुलयद्मगिनीनिवासितारसत्त्वविभाहितःइखविनासनय
 नमामिजिनवकुस्वना ॥ ४ ॥ ६०३ ॥ रगममालसि ॥ नमामि
 रशीवकुयागिलीरतनूनिमद्युलमाभयजालिगदहो ॥ धर ॥

२ दि गुरु विद्याधनी ४

[illegible]

वृद्धा के नीविभूजननी शिरावनवायितः क्षिप्रानययथी
 ॥ १ ॥ दहिनकनवक्रविनासितदर्यातिरवामकनीटकवगु
 मालयिवयी ॥ २ ॥ तनुलीमलुलमाभाः आदेशानरामने २
 नलयेनवनसगतयवसिता ॥ ३ ॥ श्रीविश्वविद्वदी मुने
 ननमहिता २ सकलशुद्धिसिद्धिदहिममाता ॥ ४ ॥ ॐ ॥

त्यागकोसिकवसन्त ॥ मधुनियुगीयनाः इयनिकूलाना २ सक
 लदवगनवन्दितयादी ॥ ५ ॥ मेरीणादिवृद्धश्रीमशु २ कुमा
 ला २ त्वंभुविवन्दितयद्वनत्यम्बना ॥ १ ॥ कंकमनुविना
 सनविनविषमा २ शुभागकिनाकननविहाना ॥ २ ॥
 विश्वविशायितकनुविहाना २ विश्वयायितासर्वगुनमा

रमयात्रय २५

20

15

10

5

0

रक्षितकृत ॥ ४८

यथा ॥ ३ ॥ भगवन् यन्मानन्दविन्दुमात्रास्तु रसाञ्जलि
तथागीतवृत्तञ्जलिमा ॥ ४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ रसागम्यमानमा
नसी ॥ द्विरञ्जकसूत्रकवशिनेषु रसकूटकसादिग
वना ॥ ५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
वासकनोटकदहिनकनटी रसागम्यमानमा ॥ ६ ॥

रक्षितकृत ॥ ४९

॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ रसागम्यमानमा
तन्मूर्च्छाञ्जलिमात्रागधन ॥ १ ॥ श्रीवज्रकुम्भत
मूर्च्छाञ्जलिमात्रागधन ॥ १ ॥ सप्तनववन्दित
वनवनशकसमविलयनदहसर्वधन ॥ २ ॥ राव
विमकनविस्मयगुलकदयि रनमा ॥ २ ॥ श्रीवज्रकु

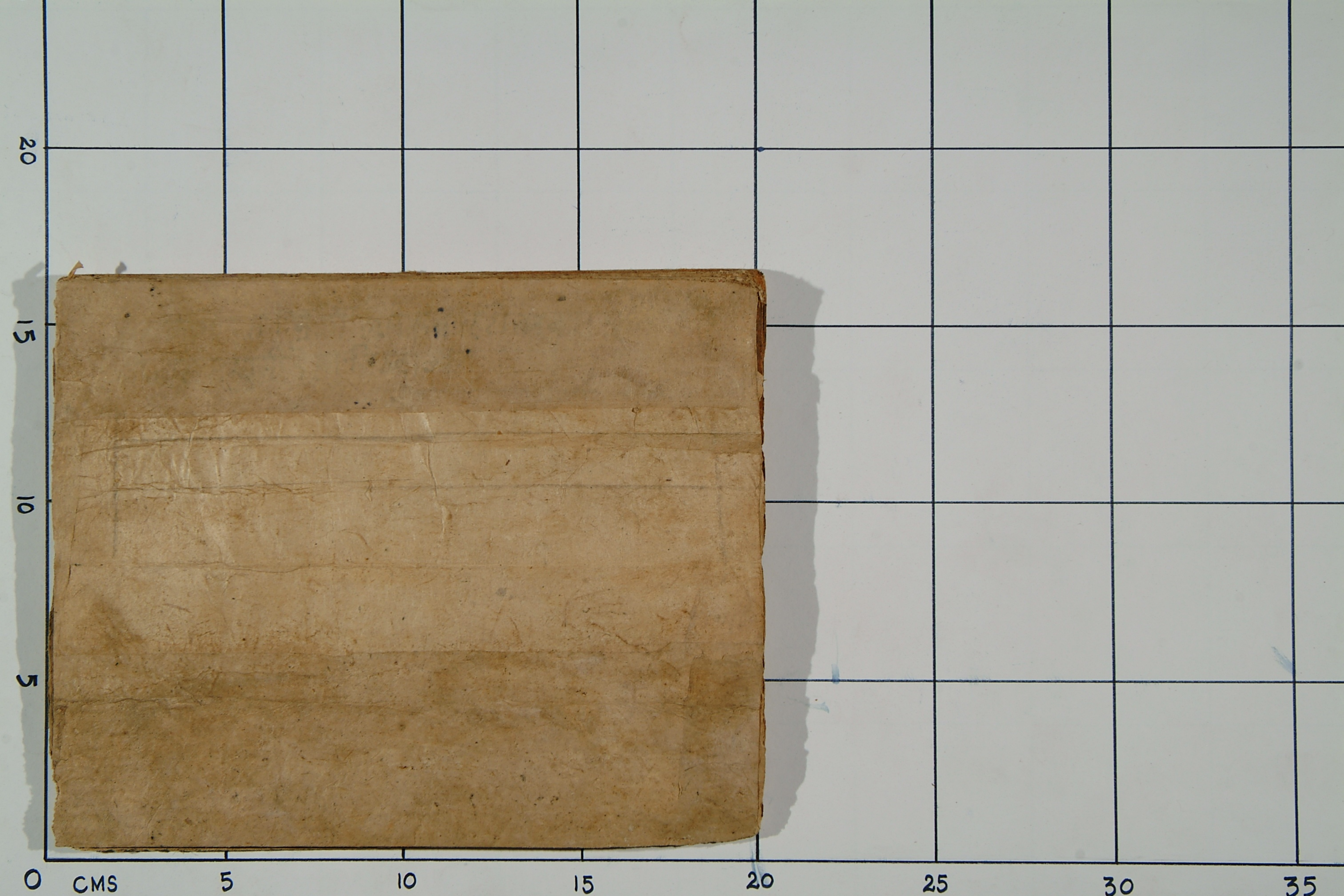
0 CMS 5 10 15 20 25 30 35

५८०

श्रुतुलकटयि ॥ १ ॥ १ ॥ नागतनावनि ॥ ॥
 रुकावसंज्ञा नमुकवर्धदहा शद्विरुक्तुकमखनका
 स्थगिननी ॥ ५ ॥ गतारुं ननागनं रुं रुं ॥ १ ॥
 वकि कृत्तुलकच्छिलीवकखला २ लीवककेयनवज्र
 सिलसर्ग ॥ २ ॥ मेघलनीयनयायनसननं २ घाघ

अष्टवर्णि ॥ ५१

नरुभवाद्यवर्मानिवासनी ॥ ३ ॥ सर्वकन वजवा
नादिवा मद्यलु २ रुनवकालनाणी आलि टयदी ॥ ४
॥ नागर्क्षदालयाद्यं ॥ ॥ ऊर्यं पीद्विरुसम्बलनि
रुवनवायिता २ मृद्धिसिद्धि सर्वमहामुडा सिद्धि ॥
५ ॥ ॐ ॥ ॥ नागतीदि ॥ ॥ अष्टवत्थानि न क य



20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

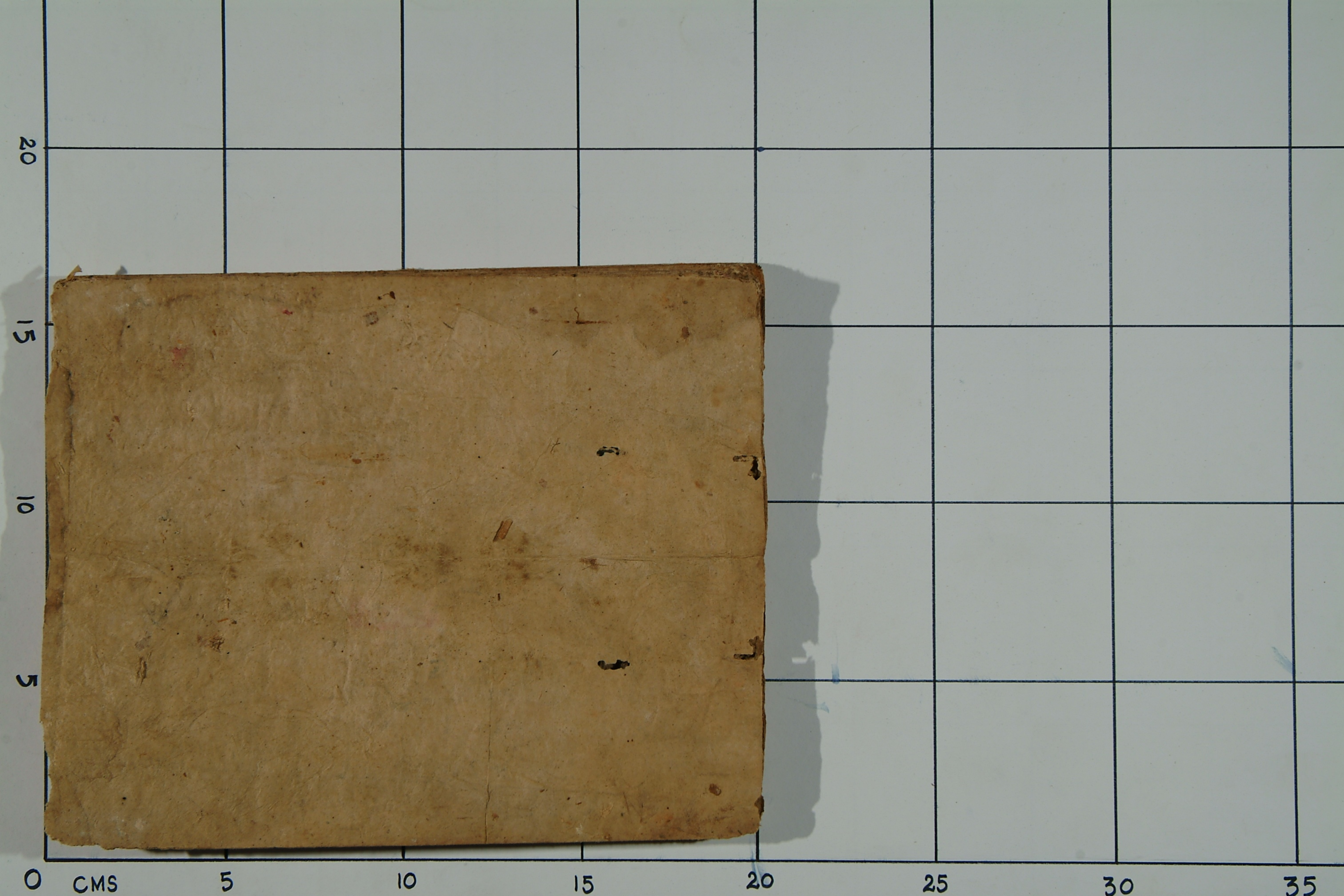
20

25

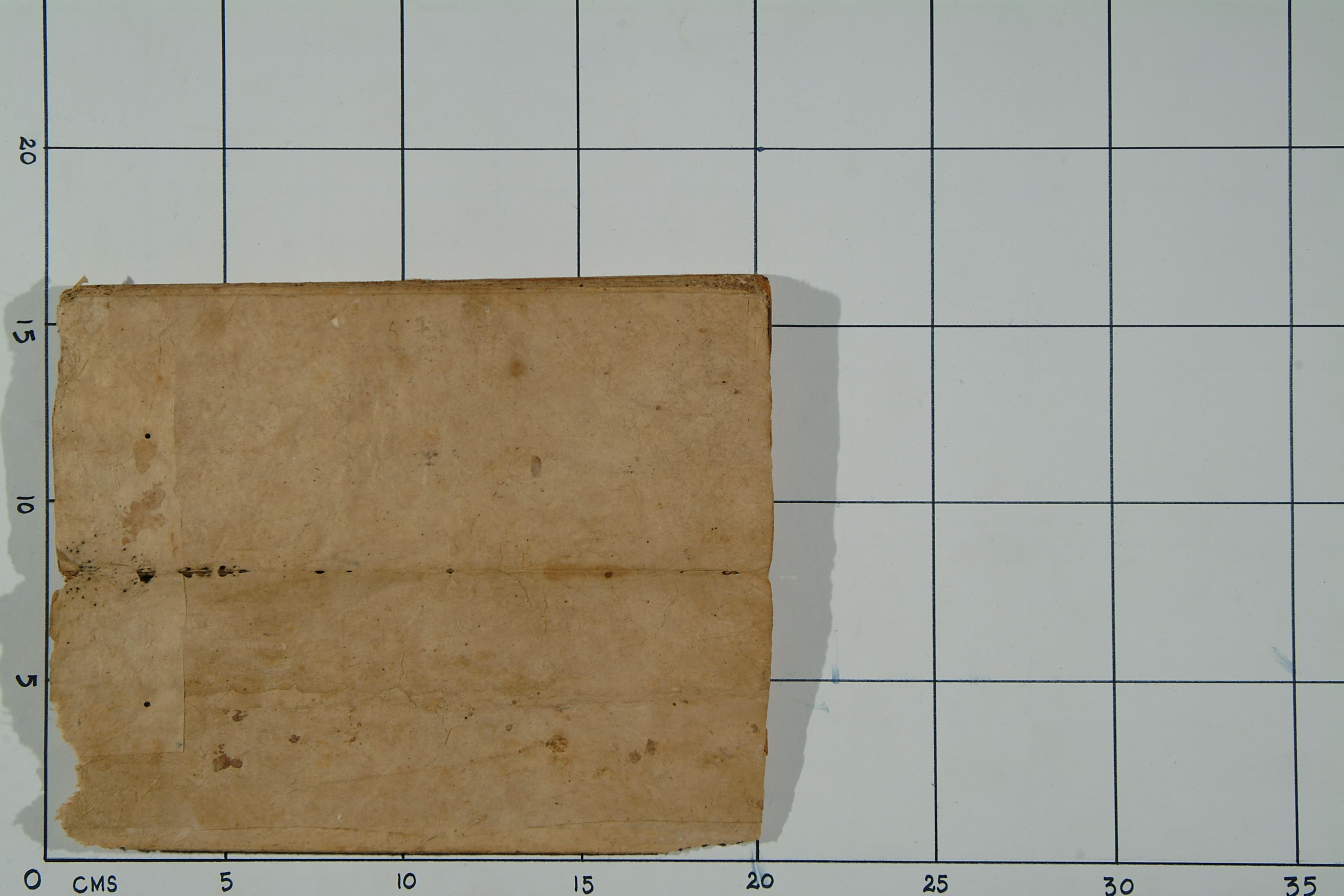
30

35









20

15

10

5

0

CMS

5

10

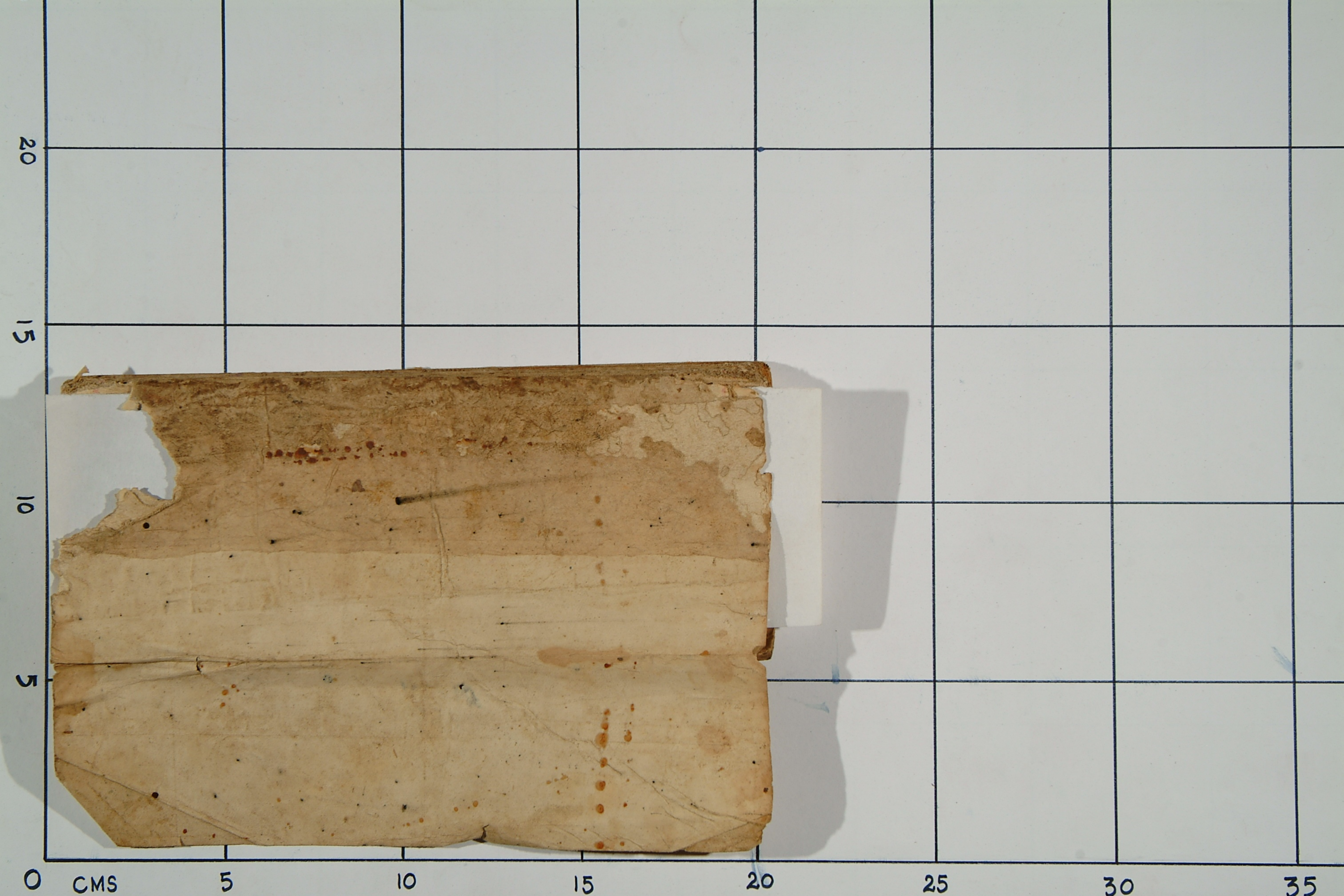
15

20

25

30

35



20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35